सीआईएमपी में हितधारक परामर्श कार्यशाला का आयोजन

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) द्वारा आयोजित भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सम्मानित 'पीएम-किसान योजना का प्रभाव मूल्यांकन- बिहार और असम के चयनित क्षेत्रों का अध्ययन' नामक एक अध्ययन के निष्कर्षों पर चर्चा करने के लिए बुधवार को एक हितधारक-परामर्श कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में पीएम-किसान योजना के प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया, जिसमें बिहार के विभिन्न जिलों के लाभार्थी, बैंक के प्रतिनिधि, शिक्षाविद, नीति विशेषज्ञ, शोध विद्वान और अन्य शामिल थे। सीआईएमपी के निदेशक प्रोफेसर (डॉ) राणा सिंह ने गणमान्य व्यक्तियों और हितधारकों का स्वागत किया। उन्होंने अध्ययन पूरा करने के लिए परियोजना टीम को बधाई दी और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) को उनके उदार वित्त पोषण के लिए आभार व्यक्त किया। परियोजना समन्वयक डॉ. देवव्रत सामंत ने अध्ययन के निष्कर्षों पर प्रकाश डाला और बताया कि इस योजना ने बिहार और असम में लाभार्थी किसानों के जीवन को कैसे सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। बिहार और असम में किसानों के आय स्तर पर पीएम-किसान योजना के लिए, अध्ययन में कई नीतिगत सिफारिशें की गई हैं, जिनमें भूमिहीन किसानों और महिला लाभार्थियों के लिए विशेष प्रबंधन, एवं प्रसार के लिए सूचना चैनलों पर जोर देना शामिल है। बिहार के चयनित लाभार्थियों ने योजना के बारे में अपने विचार साझा किए, जिसमें उनके उपभोग पैटर्न और चुनौतियां शामिल हैं। संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक और सहायक महाप्रबंधक कुंज बिहारी ने पीएम-किसान योजना को लागू करने में बैंक की भूमिका के बारे में चर्चा की।

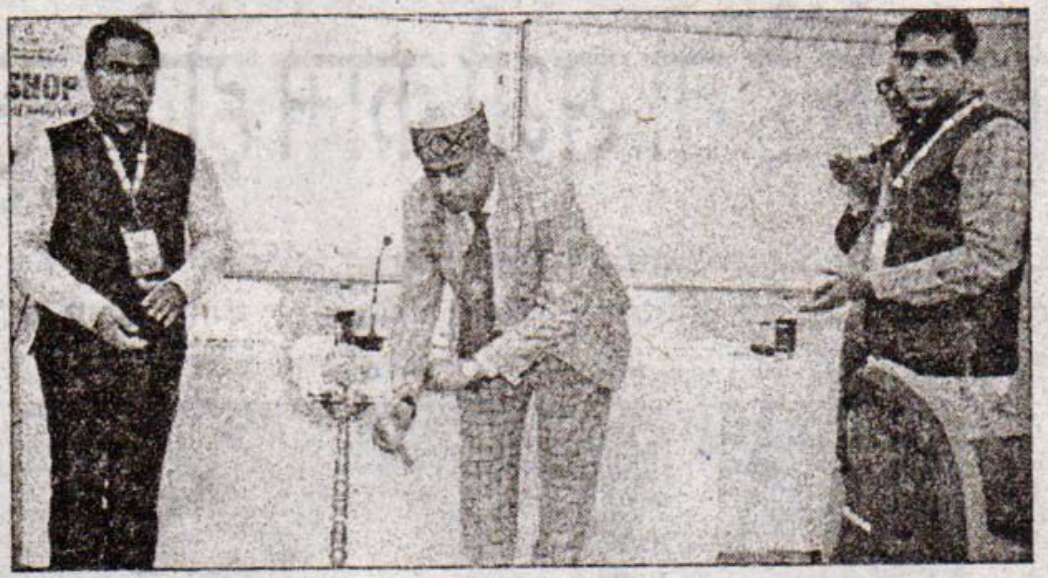

AAJ ! Page.No-08 ! Dated:14-03-2024

पीएम-किसान योजना के प्रभाव मूल्यांकन पर हुई कार्यशाला :

पटना. सीआइएमपी द्वारा आयोजित भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद शिक्षा मंत्रालय द्वारा सम्मानित 'पीएम-किसान योजना का प्रभाव मूल्यांकन' विषय पर बुधवार को एक हितधारक परामर्श कार्यशाला आयोजित की गयी.

Prabhat Khabar
Page.No-07
Dated:14-03-2024

सीआइएमपी में हितधारक परामर्श कार्यशाला

जागरण संवाददाता, पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) की ओर से हितधारक परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पीएम-किसान योजना के प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया, जिसमें बिहार के विभिन्न जिलों के लाभार्थी, बैंक के प्रतिनिधि, शिक्षाविद, नीति विशेषज्ञ, शोध विद्वान और अन्य शामिल थे। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर) के परियोजना समन्वयक डा. देवव्रत सामंत ने अध्ययन के निष्कर्षों पर प्रकाश डाला है।

बिहार और असम में किसानों के आय स्तर पर पीएम-किसान योजना के लिए, अध्ययन में कई नीतिगत सिफारिशें की गई हैं, जिनमें भूमिहीन किसानों और महिला लाभार्थियों के लिए विशेष प्रबंधन, एवं प्रसार के लिए सूचना चैनलों पर जोर देना शामिल है। दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के सहायक महाप्रबंधक कुंज बिहारी ने पीएम-किसान योजना को लागू करने में बैंक की भूमिका के बारे में चर्चा की।

Dainik Jagran
Page.No-05
Dated:14-03-2024